CLASS 10 HINDI · 2026-27

पद परिचय और अलंकार

Grammar

30	30	3
QUESTIONS	MINUTES	EXERCISES

This belongs to ______________________ Date ______________

WHAT YOU'LL GET GOOD AT

- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया का पूरा पद परिचय देता है
- हर पद के लिए आवश्यक सारी जानकारी लिखता है
- उपमा, रूपक और उत्प्रेक्षा में वाचक शब्द से अंतर करता है
- अलंकार का नाम कारण सहित लिखता है

Take your time, and have a go at every one. If you get stuck, look at the orange box — Ollie has already done one for you.

पद परिचय और अलंकार

Grammar · 30 questions · tick each box as you finish

Exercise 1 of 3 · 8 questions हर शब्द-भेद के लिए बताइए कि पद परिचय में क्या-क्या लिखना आवश्यक है।

WRITE THE ANSWER

HERE’S ONE DONE FOR YOU
यह सूची ही पूरा अध्याय है। पद परिचय में अंक इसलिए नहीं कटते कि उत्तर ग़लत होता है - इसलिए कटते हैं कि सूची में से कुछ छूट जाता है। संज्ञा के लिए पाँच बातें लिखनी हैं और तीन लिख देना आधा उत्तर है। सूची याद हो जाए तो प्रश्न लगभग स्वतः हल हो जाता है।

1) संज्ञा
2) सर्वनाम
3) विशेषण
4) क्रिया
5) क्रिया-विशेषण
6) समुच्चयबोधक
7) संबंधबोधक
8) विस्मयादिबोधक

Exercise 2 of 3 · 10 questions रेखांकित पदों का पद परिचय दीजिए।

WRITE THE ANSWER

HERE’S ONE DONE FOR YOU
'पढ़ी' का परिचय ध्यान से देखिए - क्रिया स्त्रीलिंग है, यद्यपि कर्ता 'राम' पुल्लिंग है। ऐसा इसलिए कि 'ने' लगने पर क्रिया कर्म 'पुस्तक' के अनुसार चलती है। यही बात वाच्य वाले अध्याय में भी आती है, और दोनों जगह वही एक समझ काम आती है।

1) राम ने पुस्तक पढ़ी। - 'राम'
2) राम ने पुस्तक पढ़ी। - 'पुस्तक'
3) राम ने पुस्तक पढ़ी। - 'पढ़ी'
4) वह धीरे-धीरे चल रहा था। - 'धीरे-धीरे'
5) यह सुंदर चित्र मेरा है। - 'सुंदर'
6) मोहन दिल्ली जाएगा। - 'दिल्ली'
7) वे लोग कल आए थे। - 'वे'
8) राम और श्याम मित्र हैं। - 'और'
9) अहा! कितना सुंदर दृश्य है! - 'अहा'
10) पुस्तक मेज़ पर रखी है। - 'पर'

Exercise 3 of 3 · 12 questions अलंकार पहचानिए और कारण लिखिए।

WRITE THE ANSWER

HERE’S ONE DONE FOR YOU

तीनों समान दिखने वाले अलंकारों का भेद एक शब्द से होता है। 'सा, जैसा, समान' दिखे तो उपमा; 'मानो, जनु' दिखे तो उत्प्रेक्षा; कुछ न दिखे और फिर भी एक वस्तु दूसरी कही जा रही हो तो रूपक। और यमक तथा श्लेष में अंतर गिनती का है - शब्द दो बार आया तो यमक, एक बार तो श्लेष।

1) मुख चंद्रमा के समान सुंदर है।

2) चरण-कमल बंदौ हरि राई।

3) मुख मानो चंद्रमा है।

4) तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए।

5) कनक कनक ते सौ गुनी, मादकता अधिकाय।

6) रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।

7) नील गगन-सा शांत हृदय।

8) उसका हृदय पत्थर है।

9) बंदउँ गुरु पद पदुम परागा।

10) मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

11) काली घटा का घमंड घटा।

12) सोहत ओढ़े पीत पट, मनहुँ नीलमणि सैल।

All done? How did that feel?

Colour in a star. Three stars means you could teach it to someone else.

☆ ☆ ☆ Tricky · Getting there · Easy now

Answer key

For grown-ups

पद परिचय और अलंकार · keep this page back until your child has finished.

1. हर शब्द-भेद के लिए बताइए कि पद परिचय में क्या-क्या लिखना आवश्यक है।

1) भेद (व्यक्तिवाचक, जातिवाचक या भाववाचक), लिंग, वचन, कारक, और वाक्य के किस शब्द से संबंध है।
2) भेद, पुरुष, लिंग, वचन, कारक, और किसके स्थान पर आया है।
3) भेद (गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक या सार्वनामिक), लिंग, वचन, और किस विशेष्य की विशेषता बता रहा है।
4) भेद (सकर्मक या अकर्मक), काल, वाच्य, लिंग, वचन, पुरुष, और कर्ता कौन है।
5) भेद (कालवाचक, स्थानवाचक, रीतिवाचक या परिमाणवाचक), और किस क्रिया की विशेषता बता रहा है।
6) भेद (समानाधिकरण या व्यधिकरण), और वह किन दो शब्दों या उपवाक्यों को जोड़ रहा है।
7) भेद, जिस संज्ञा या सर्वनाम से संबंध बता रहा है, और वह संबंध क्या है।
8) भेद (हर्ष, शोक, आश्चर्य आदि), और किस भाव को प्रकट कर रहा है।

2. रेखांकित पदों का पद परिचय दीजिए।

1) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'पढ़ी' क्रिया का कर्ता।
2) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'पढ़ी' क्रिया का कर्म।
3) सकर्मक क्रिया, भूतकाल, कर्तृवाच्य, स्त्रीलिंग, एकवचन, अन्य पुरुष, कर्ता 'राम'।
4) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण, 'चल रहा था' क्रिया की विशेषता बता रहा है।
5) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'चित्र' विशेष्य की विशेषता बता रहा है।
6) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक, 'जाएगा' क्रिया से संबंध।
7) पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक, 'आए थे' क्रिया का कर्ता।
8) समुच्चयबोधक अव्यय, समानाधिकरण, 'राम' और 'श्याम' दो संज्ञाओं को जोड़ रहा है।
9) विस्मयादिबोधक अव्यय, हर्ष का भाव प्रकट कर रहा है।
10) संबंधबोधक अव्यय, 'मेज़' संज्ञा के साथ आकर स्थान का संबंध बता रहा है।

3. अलंकार पहचानिए और कारण लिखिए।

1) उपमा - वाचक शब्द 'के समान' है, और मुख की तुलना चंद्रमा से की गई है।
2) रूपक - कोई वाचक शब्द नहीं; चरणों को कमल कह ही दिया गया है, यानी अभेद है।
3) उत्प्रेक्षा - वाचक शब्द 'मानो' है, यानी संभावना व्यक्त हुई है।
4) अनुप्रास - 'त' वर्ण की बार-बार आवृत्ति हुई है।
5) यमक - 'कनक' शब्द दो बार आया है, एक बार सोने और एक बार धतूरे के अर्थ में।
6) श्लेष - 'पानी' शब्द एक ही बार आया है पर उसके कई अर्थ निकलते हैं: जल, चमक और इज़्ज़त।
7) उपमा - वाचक शब्द 'सा' से हृदय की तुलना गगन से की गई है।
8) रूपक - हृदय को पत्थर कहा ही गया है, कोई वाचक शब्द नहीं।
9) अनुप्रास - 'प' वर्ण की बार-बार आवृत्ति हुई है।
10) मानवीकरण - बादलों को मनुष्य की तरह सज-धज कर आते दिखाया गया है।
11) यमक - 'घटा' शब्द दो बार आया है, पहले बादल और फिर कम होने के अर्थ में।
12) उत्प्रेक्षा - वाचक शब्द 'मनहुँ' से संभावना व्यक्त हुई है।

WHILE YOUR CHILD WORKS

- पद परिचय में सूची पूरी लिखवाइए। अंक ग़लती से नहीं, छूट जाने से कटते हैं।
- अलंकार में नाम के साथ कारण अवश्य लिखवाइए। आधा अंक वहीं है।
- यमक या श्लेष? गिनिए कि शब्द कितनी बार आया - दो बार तो यमक, एक बार तो श्लेष।

Spotted a gap while marking?

A free assessment is one live class with a matched teacher - no card, nothing to cancel. Afterwards you get an honest note on what they noticed.

Book a free assessment - scholur.com/contact